प्रश्न → जागेश्वर के मुख्य मन्दिर के भीतर किस राजा की मूर्ति है
दीपचंद

रुद्रचंद :- रुद्र चन्द, बालो कल्याण चन्द का उत्तराधिकारी था उसका शासन काल 1565 से 1597 के मध्य मिलता है। रुद्र-चन्द्र मुगल सम्राट अकबर का समकालीन था। रुद्रचन्द ने तराई पर अपना अधिकार करके रुद्रपुर नगर की स्थापना की। रुद्रचन्द्र ने नये सिरे से सामाजिक व्यवस्था स्थापित की इसके लिए उसने धर्म-निर्णय पुस्तक लिखवायी। आइने-अकबरी में कुमाऊ सरकार को दिल्ली सुब्बा के अन्तर्गत दर्शाया गया। पुरुष पन्त रुद्रचंद का प्रसिद्ध सेनापति था जो पिण्डर घाटी के बधाणगढ़ युद्ध में मारा गया।

कल्याण चन्द :-

प्रश्न - किस वर्ष भारतीय सर्वेक्षण विभाग का मुख्यालय बंगाल से देहरादून स्थानांतरित किया गया
— 1942
भारतीय सर्वेक्षण विभाग की स्थापना 1767 में बंगाल में भूमि कर तथा अन्य सर्वेक्षण के लिए की गयी थी। सन् 1942 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इसे देहरादून में स्थानान्तिरित किया गया। यह देश में प्रत्येक प्रकार के भू-सर्वेक्षण और मानचित्र बनाने वाला एक मात्र अभिकरण है। इसके महासर्वेक्षक एवरेस्ट ने 1852 में विश्व की सबसे ऊँची चोटी का प्रेक्षण कर उसकी ऊंचाई 29002 फीट घोषित की थी। अत: उन्ही के नाम पर इस चोटी का नाम एवरेस्ट रखा गया
भारत का प्रथम डाक टिकट इसी विभाग ने 1854 में जारी किया

प्रश्न → जागेश्वर के मुख्य मन्दिर के भीतर किस राजा की मूर्ति है
दीपचंद

रुद्रचंद :- रुद्र चन्द, बालो कल्याण चन्द का उत्तराधिकारी था उसका शासन काल 1565 से 1597 के मध्य मिलता है। रुद्र चन्द्र मुगल सम्राट अकबर का समकालीन था। रुद्रचन्द ने तराई पर अपना अधिकार करके रुद्रपुर नगर की स्थापना की। रुद्रचन्द्र ने नये सिरे से सामाजिक व्यवस्था स्थापित की इसके लिए उसने धर्म-निर्णय पुस्तक लिखवायी। आइने-अकबरी में कुमाऊ सरकार को दिल्ली सुबा के अन्तर्गत दर्शाया गया पुरुष पन्त रुद्रचंद का प्रसिद्ध सेनापति था जो बधपिण्डर घाटी के बधाणगढ़ युद्ध में मारा गया।

कल्याण चन्द :-

प्रश्न - किस वर्ष भारतीय सर्वेक्षण विभाग का मुख्यालय बंगाल से देहरादून स्थानांतरित किया गया
- 1942

भारतीय सर्वेक्षण विभाग की स्थापना 1767 में बंगाल में भूमि कर तथा अन्य सर्वेक्षण के लिए की गयी थी। सन् 1942 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इसे देहरादून में स्थानान्तरित किया गया। यह देश में प्रत्येक प्रकार के भू-सर्वेक्षण और मानचित्र बनाने वाला एक मात्र अभिकरण है। इसके महासर्वेक्षक एवरेस्ट ने 1852 में विश्व की सबसे ऊँची चोटी का प्रेक्षण कर उसकी ऊंचाई 29002 फीट घोषित की थी। अतः उन्हीं के नाम पर इस चोटी का नाम एवरेस्ट रखा गया

भारत का प्रथम डाक-टिकट इसी विभाग ने 1854 में जारी किया